संपादकीय

बिगड़ा हुआ तोता

सीबीआई के दो आला अफसरों ने जिस तरह एक-दूसरे के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है उससे देश की इस सर्वोच्च जांच एजेंसी की छवि को गहरा धक्का लगा है। सीबीआई के इतिहास में यह पहला मौका है जब नंबर एक और नंबर दो शीर्ष अधिकारियों ने एक दूसरे के खिलाफ करोड़ों की घूस लेने जैसा संगीन आरोप लगाया है। एक तो पहले से ही सीबीआई साख के संकट से जूझ रही है, ऊपर से इस प्रकरण ने एजेंसी की समस्याग्रस्त स्थिति पर मोहर लगा दी है। पहले सीबीआई ने अपने ही दूसरे नंबर के अफसर स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में एफआईआर दर्ज की, फिर नहले पर दहला मारते हुए अस्थाना ने अपने डायरेक्टर आलोक वर्मा पर कई मामलों में करोड़ों रुपये घूस लेने का आरोप लगाया और इसकी लिखित शिकायत कैबिनेट से ेटरी से की।

राकेश अस्थाना गुजरात काडर के आइपीएस अफसर हैं। उनके खिलाफ एफआईआर हैदराबाद के एक बिजनसमैन सतीश बाबू सना की शिकायत पर दर्ज हुई है। सतीश बाबू ने आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने खिलाफ जांच रोकने के लिए अस्थाना को तीन करोड़ रुपयों की रिश्वत दी। असल में अस्थाना की नियुक्ति को लेकर शुरू से विवाद रहा है। करीब दो साल पहले वह सीबीआई के अंतरिम निदेशक नियुक्त किए गए, तभी वकील और सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत भूषण ने इस नियुक्ति को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी। फिर फरवरी 2017 में आलोक वर्मा सीबीआई के प्रमुख नियुक्त किए गए और कुछ महीने बाद ही उन्होंने बतौर स्पेशल डायरेक्टर अस्थाना की नियुक्ति का यह कहते हुए विरोध किया कि उनके खिलाफ कई संगीन आरोप हैं जिनकी जांच जारी है, इसलिए उन्हें एजेंसी में नहीं होना चाहिए।

मोटे तौर पर लगता है कि जांच एजेंसी की कमान मनपसंद अफसर को देने की जिद से ही यह मामला इतना उलझ गया है। सुप्रीम कोर्ट की बार-बार की फटकार और मीडिया व प्रबुद्ध वर्ग की आलोचना के बावजूद सरकार ने सीबीआई को पालतू बनाए रखने का इरादा नहीं छोड़ा है। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पालतू तोता कहा था। उसके बाद इसकी कार्यप्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए कई सुझाव सामने आए, जिन्हें लागू करने के दावे भी किए गए। वर्ष 2016 में सीबीआई ने बाकायदा आंकड़े जारी कर अपनी कार्यक्षमता में जबर्दस्त सुधार का दावा किया था, जिसमें खास जोर इस बात पर था कि उसने देश भर में 2200 सीनियर करप्ट सरकारी अफसरों को चिह्नित करके उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी है। एक बात तो साफ है कि समस्या सीबीआई की अक्षमता की नहीं, केंद्र के इशारे पर इसके दुरुपयोग की है। फिलहाल एजेंसी की साख को गर्त में जाने से बचाना है तो घूसखोरी के आरोप-प्रत्यारोप में उलझे दोनों अधिकारियों को हकीकत सामने आने तक इसकी शीर्ष जिम्मेदारियों से हटा दिया जाना चाहिए।

अपनी लाडली के लिए यहां करें निवेश, भविष्य में नहीं होगी पैसों की कमी

नई दिल्ली। हर माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि अपनी बेटी के भविष्य के लिए वह पैसों का निवेश कहां करें. बचत के इन पैसों से वे अपनी बिटिया की पढ़ाई और उनकी शादी के सपने संजोते हैं. हालांकि, बाजार में निवेश के कई प्रोडक्ट उपलब्ध हैं लेकिन अगर लंबे समय के उद्देश्य से बच्चियों के लिए पैसे जमा करने हैं तो सुकन्या समृद्धि योजना, म्युचुअल फंड्स में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान और पब्लिक प्रोविडेंट फंड कुछ बेहतरीन विकल्प हैं. इन योजनाओं में निवेश कर आप अपनी बिटिया के भविष्य के आर्थिक खर्चों

के मामले में निश्चित हो सकते हैं.

सुकन्या समृद्धि योजना

अगर, घर में नन्ही बिटिया हो तो उसके भविष्य के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना एक अच्छी स्कीम है. 1 अक्टूबर 2018 से इस योजना पर न सिर्फ पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) की तुलना में आधा फीसदी ज्यादा ब्याज मिलेगा बल्कि, यह माता-पिता की टैक्स प्लानिंग में भी मददगार होता है. आप अपनी 10 साल तक की बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवा सकते हैं. इस पर वर्तमान में 8.1 फीसदी सालाना का ब्याज मिल रहा है जो 1 अक्टूबर 2018 से 8.5 फीसदी हो जाएगा. वहीं पीपीएफ पर अभी 7.6 फीसदी ब्याज मिल रहा है तो 1 अक्टूबर 2018 से 8 फीसदी हो जाएगा.

सुकन्या समृद्धि योजना का खाता आप किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंकों की अधिकृत शाखा में खुलवा सकते हैं. आम तौर पर जो भी बैंक पीपीएफ खाता खोलने की सुविधा उपलब्ध कराते हैं, वे सुकन्या समृद्धि योजना का खाता भी खोलते हैं.

पब्लिक प्रोविडेंट फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड लंबे समय में आपकी बिटिया के लिए एक बड़ा फंड बनाने में मददगार है. पीपीएफ पर मिलने वाली ब्याज कर मुक्त है और निवेश पर आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आयकर में छूट भी मिलती है. फिलहाल इसकी ब्याज दर 7.6 फीसदी है. हालांकि 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक इस पर 8 फीसदी का ब्याज मिलेगा.

म्युचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए करें निवेश

यदि आप कुछ रिस्क उठा सकते हैं तो सबसे बेहतरीन ऑप्शन होगा म्युचुअल फंडों में सिप के जरिए निवेश करना.

लंबी अवधि के दौरान इक्विटी सबसे बेहतर रिटर्न देते हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करने से निवेश की लागत भी औसत हो जाती है.

बैंकों ने डेबिट-क्रेडिट कार्ड फ्रॉड से बचने के लिए निकाला जबरदस्त तरीका

नई दिल्ली। आए दिन हम लोग अखबारों या न्यूज़ चैनल पर डेबिट-क्रेडिट कार्ड से हुए फ्रॉड की खबरें सुनते ही रहते हैं। कभी कोई किसी का डेबिट-क्रेडिट कार्ड बदल कर या चुरा कर खाते से पैसे निकाल लेता है तो कोई पी ओ एस मशीन के द्वारा शॉपिंग कर लेता है। इससे बचने के लिए बैंकों ने एक नया कदम उठाया है। बैंक अब आपको सेंसर वाले कार्ड देंगे। इन सेंसर वाले कार्ड्स को सिर्फ मशीन पर टच करना होता है। इसके बाद आपके खाते से जुड़ी

सारी जानकारी मशीन में आ जाएगी। उसके बाद ट्रांसक्शन कम्पलीट करने के लिए एक ओ टी पी आपके मोबाइल पर आएगा। इससे आपको डेबिट-क्रेडिट कार्ड का पिन याद रखने का झंझट ही खत्म हो जाएगा। अभी इस कार्ड का ट्रायल प्रयोग के तौर पर कानपुर के इलाहाबाद बैंक और यूनियन बैंक के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। जल्द ही इसकी शुरुआत पीओएस मशीनों पर और उसके बाद एटीएम पर भी हो जाएगा। इस कार्ड को इस्तेमाल करने के लिए आपको मोबाइल हमेशा साथ ही रखना होगा। क्या इन डेबिट-क्रेडिट कार्ड्स के प्रयोग से बैंकिंग फ्रॉड में कमी आएगी? अपनी राय कमेंट कर के बताएं।

देश में अब खुलेगा 'इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी'

नई दिल्ली। इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (आईएसपीपी) लोकनीति (पब्लिक पॉलिसी) के लिए देश का पहला स्कूल होगा, जो ऐसे संस्थानों के डिजाइन व प्रबंधन पर केंद्रित है, जो समाज का संचालन करते हैं।

इसका शुभारंभ मंगलवार को पूर्व नीति निर्माताओं, औद्योगिक नेतृत्वकर्ताओं व प्रतिष्ठित शास्त्रज्ञों ने किया। इस स्कूल का पहला सत्र 19 अगस्त, 2018 से शुरू होगा। कोर्स का शुल्क

INDIAN SCHOOL OF PUBLIC POLICY

ज्यादा नहीं, मात्र सात लाख रुपये प्रतिवर्ष होगा। शुभारंभ कार्यक्रम की शुरुआत बुद्धिजीवी एवं लेखक गुरचरन दास के संबोधन के साथ हुआ। इसके बाद पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह ने अपने विचार रखे।विज्ञप्ति के अनुसार, यह स्कूल भारत के लिए नीति निर्माताओं की नई श्रेणी का विकास करेगा तथा पॉलिसी प्रोफेशनल्स को ज्ञान, कौशल, योग्यता एवं नैतिकता से सुसज्जित करेगा, ताकि वो भारत में पॉलिसी व प्रशासन की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्थानीय समाधानों को समझकर, डिजाइन कर उनका क्रियान्वयन कर सकें। यह एक वर्षीय मास्टर के समकक्ष कार्यक्रम दुनिया में पब्लिक पॉलिसी के सिद्धांतों, योजनाओं एवं सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों के बारे में बताएगा।

सातवें वेतन आयोग : बिहार के लाखों कर्मचारियों के लिए दिवाली से पहले खुशखबरी

पटना। दिवाली से पहले एक और राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग से जुड़ी खुशखबरी दी है. बिहार सरकार ने राज्य कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ता /राहत की दर 7 से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी है. राज्य में नई दरें एक जुलाई 2018 से प्रभावी होंगी. मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया कि इस फैसले के तहत राज्य के सरकारी सेवकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को गत एक जुलाई से 7 प्रतिशत के स्थान पर 9 प्रतिशत महंगाई भत्ता/राहत की स्वीकृति प्रदान कर दी है.

हुंडई की नई सैंट्रो भारत में हो चुकी है लॉन्च

नई दिल्ली। हुंडई की नई सैंट्रो भारत में लॉन्च हो चुकी है. इस गाड़ी के लॉन्च होने का इंतजार लोग काफी समय से कर रहे थे. लोगों की बेसब्री का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि, एक हफ्ते पहले हुंडई ने यूट्यूब पर सैंट्रो का टीजर डाला था, जिसपर अब तक 1.2 करोड़ व्यूज आ चुके हैं. बदलते वक्त के साथ सैंट्रो में भी कई बदलाव आए हैं. नई सैंट्रो पहले

के मुकाबले ज्यादा बड़ी है, ज्यादा पावर वाली है, ज्यादा आकर्षक है और साथ ही कई नए फीचर भी लाई है.

जानिए क्यों तमीम इकबाल को विराट कोहली नहीं लगते हैं सामान्य इंसान

विराट कोहली अपनी बल्लेबाजी से विरोधी टीमों के खिलाड़ियों को भी कायल बना लिया है। अब उनके प्रसंशकों की लिस्ट में बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल का नाम भी जुड़ गया है। तमीम का कहना है कि उन्हें कभी-कभी लगता ही नहीं कि विराट कोहली इंसान हैं। यूईई के न्यूज वेबसाइट खलीज टाइम्स ने तमीम के हवाले से लिखा, 'कभी-कभी मुझे लगता है कि वह इंसान नहीं हैं, ऐसा उसके प्रदर्शन के कारण है। जैसे ही वह बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं तो लगता है कि प्रत्येक मैच में शतक बनाएंगे। वह जिस तरह खुद को फिट रखते हैं, जिस तरह अपने खेल पर काम करते हैं, वह अविश्वसनीय है।'

'विराट क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर एक बल्लेबाज हैं'

तमीम इकबाल ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा,'वह संभवतः क्रिकेट के तीनों ही प्रारूपों में नंबर एक बल्लेबाज हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जिसे देखकर सराहा जा सकता है और उससे सीखा जा सकता है। मुझे लगता है कि वह शानदार हैं।' गौरतलब है कि विराट कोहली आईसीसी की टेस्ट और वनडे रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज हैं और सबसे कम पारियों में 10000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 81 रन दूर हैं।

इंग्लैंड में टेस्ट डेब्यू में फिफ्टी जड़ने वाले क्रिकेटर हनुमा विहारी ने की सगाई

हैदराबाद। हाल ही में इंग्लैंड में खेली गई टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की ओर से डेब्यू करने वाले हनुमा विहारी ने सगाई कर ली है। हनुमा ने अपनी दोस्त प्रीतिराज येरवा से सगाई की। दोनों की सगाई हैदराबाद में हुई। हनुमा ने इंस्टाग्राम पर सगाई की फोटो शेयर की। प्रीतिराज पेशे से फैशन डिजायनर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में डेब्यू करने वाले विहारी ने फिफ्टी जड़ी थी और मैच में तीन विकेट भी लिए थे।

उन्होंने पहली पारी में 56 रन और दूसरी पारी में बिना खाता खोले आउट हो गए थे। दूसरी पारी में उन्होंने तीन विकेट भी झटके थे। विहारी हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

जानें कब है दिवाली, क्या है लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

दिवाली हिंदू धर्म में मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। कार्तिक महीने की अमावस्या के दिन दीपावली यानी दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस बार यह 7 नवंबर 2018 को मनाई जाएगी। मान्यता है कि भगवान राम चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। तब अयोध्यावासियों ने घर में घी के दिए जलाए थे और अमावस्या की काली रात भी रोशन हो गई थी। शुभ मुहूर्त लक्ष्मी पूजा का मुहूर्तः शाम 17.57 से 19.53 तक। प्रदोष कालः शाम 17.27 बजे से 20.06 बजे

तक। वृषभ कालः 17.57 बजे से 19.53 बजे से तक। दीवाली पूजा विधि दिवाली पूजन में सबसे पहले श्री गणेश जी का ध्यान करें। इसके बाद गणपति को स्नान कराएं और नए वस्त्र और फूल अर्पित करें। इसके बाद देवी लक्ष्मी का पूजन शुरू करें। मां लक्ष्मी की प्रतिमा को पूजा स्थान पर रखें। मूर्ति में मां लक्ष्मी का आवाहन करें। हाथ जोड़कर उनसे प्रार्थना करें कि वे आपके घर आएं। अब लक्ष्मी जी को स्नान कराएं। स्नान पहले जल फिर पंचामृत और फिर जल से स्नान कराएं। उन्हें वस्त्र अर्पित करें। वस्त्रों के बाद आभूषण और माला पहनाएं। इत्र अर्पित कर कुमकुम का तिलक लगाएं। अब धूप व दीप जलाएं और माता के पैरों में गुलाब के फूल अर्पित करें। इसके बाद बेल पत्थर और उसके पत्ते भी उनके पैरों के पास रखें। 11 या 21 चावल अर्पित कर आरती करें

आज का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन आएगा। आज सरकार की तरफ से कुछ ऐसे बदलाव आ रहे हैं जिसमें आप थोड़े परेशान हो सकते हैं। किसी भी प्रकार के कानूनी फंदे से बच कर रहें।

वृषभः आप हमेशा ही दूसरों के भरोसे बैठकर अपने लिए भी कुछ प्राप्त कर लेने की इच्छा रखते हैं। किसी दूसरे की चेष्टा पर स्वयं लाभ उठा लेना बहुत दिनों तक जारी नहीं रहेगा।

मिथुनः बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है।

कर्कः साझेदारी में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है।

सिंहः आपके प्रयास अब रंग ला रहे हैं। आज के दिन आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अपने सहयोगियों के प्रति आपका व्यवहार उदारतापूर्ण रहेगा और उनको माफ करने के लिए आप तैयार हो जाएंगे।

कन्याः अपने मित्रों और प्रियजनों के खातिर आप कुछ ज्यादा ही चिंतित हो जाते है। अपने काम को छोड़कर भी आप दूसरों के साथ उनके फालतू समय में शरीक होकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर लेते हैं।

तुलाः किसी अधिकारी से वाद-विवाद होने पर कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। संध्याकाल के समय योजनापूर्ति से लाभ होगा। अचानक व्यवसाय से संबंधित अतिथि के आ जाने से खर्चा बढ़ सकता है।

वृश्चिकः आज जमीन-जायदाद से संबंधित विवाद में हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों की वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के बहुत सारे अवसर आपको मिलते रहेंगे। कोई युवा आपकी मदद कर सकता है।

धनुः काफी समय बाद आज कुछ अच्छी खबर आपको मिलेगी। कोई जरूरी काम बन जाने से लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी और आगे का समय अच्छा कटने का उत्साह रहेगा।

मकरः आज आप कई प्रकार के उलझनों में उलझे रहेंगे। कोई वस्तु या उपहार खरीदने की जल्दीबाजी रहेगी। आपके कार्यक्षेत्र में काम का प्रेशर ज्यादा हो सकता है। बिजनस में आपकी अपनी सूझबूझ बहुत काम आएगी।

कुंभः नयी प्रॉपर्टी खरीदने की सम्भावना है। आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में थोड़ा धैर्य और सूझ बूझ से निवेश करें। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी।

मीनः आज पुराने मित्रों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। बुद्धि विवेक से लिए गए निर्णय लाभप्रद रहेंगे। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

घर पर ऐसे बनाएं चटपटी मसाला खिचड़ी, जानिए रेसिपी

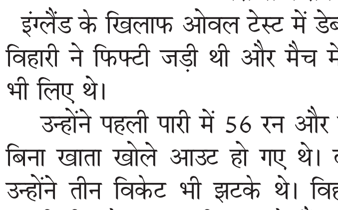

रोजाना एक जैसा ही खाना खा खाकर बोर हो गए है तो आज हम आपको चटपटी मसाला खिचड़ी बनाया की विधि के बारे में बताएंगे जिसे खाने से आपके मुंह का स्वाद तो बदलेगा ही साथ ही बोर भोजन से भी मुक्ति मिलेगी।

जानिए इसे बनाने की विधि

सामग्री- चावल 130 ग्राम, भीगी हुई मूंग दाल 130 ग्राम, पानी 550 मिलीलीटर, घी 2 टेबल स्पून, जीरा 1 टू-स्पून, तेज पत्ता 1, ग्रीन इलायची 2

दालचीनी 1 इंच, लौंग 3, हींग- 1/4 टी-स्पून, अदरक लहसुन पेस्ट 1/2 टी-स्पून हरी मिर्च 1, प्याज 85 ग्राम, टमाटर 160 ग्राम, हल्दी 1/2 टू-स्पून, लाल मिर्च पाउडर 1/2 टी-स्पून, गरम मसाला 1/2 टी-स्पून, नमक 1 टी-स्पून, हरे मटर, 60 ग्राम, गाजर 60 ग्राम, पानी 1 लीटर, धनिया गार्निशिंग हेतु .

विधि -सर्वप्रथम एक कटोरे में 130 ग्राम चावल तथा 130 ग्राम मूंग दाल डालकर 550 मिलीलीटर पानी में 10 मिनट हेतु भिगोकर रखिए।- अब कुकर में 2 टेबल स्पून घी गरम कीजिए, इसमें जीरा, 1 तेज पत्ता, 2 इलायची, दालचीनी एवं लौंग डालकर कुछ देर तक भूनिए।

तत्पश्चात इसमें 1/4 टी-स्पून हींग, अदरक लहसुन की पेस्ट तथा 1 हरी मिर्च डालकर भूनिए।

अब इसमें 85 ग्राम प्याज डालकर भूनिए। जब प्याज भुन जाएं तो 160 ग्राम टमाटर डालकर भूनिए।

अब इसमें 1/2 टी-स्पून हल्दी डालकर अच्छी तरह से भूनिए।

तत्पश्चात 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाऊडर, 1/2 टी-स्पून गर्म मसाला, 1 टी-स्पून नमक डालकर मिलाइए।

अब इसमें 60 ग्राम हरे मटर, 60 ग्राम गाजर डालकर 5-7 मिनट तक पकाइए। फिर भीगे दाल-चावल डालकर इसे अच्छे से मिलाइए।

अब इसमें 1 लीटर पानी डालिए व इसे दोबारा से मिलाइए।

अब कुकर में 2 सीटी आने तक पकाइए। ये सब करने के बाद आपकी खिचड़ी पूरी तरह से बनकर तैयार है।

शब्द सामर्थ्य-68

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

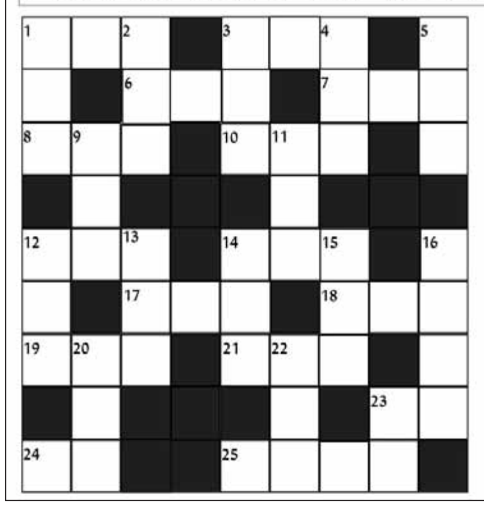

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 67 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

सू-दोकू-67

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.67 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6